522

समाजशास्त्र

टेस्ट-11

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF OPT-24 **11SOC24**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: IQABAL AHMAD **Mobile Number:** [redacted]

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** _____

Center & Date: 522 M.K.N./30 Aug, 24 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 6421410

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

खण्ड-क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. **Answer the following in about 150 words each:** $10 \times 5 = 50$
निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

(a) शास्त्रीय भारत विद्या (इंडोलॉजी)
Classical Indology.

भारतीय समाजशास्त्रीय अध्ययन परिप्रेक्ष्य को शास्त्रीय भारत विद्या (इंडोलॉजी) उपागम के तहत सम्बोधित किया जाता है। इसको समझने के लिए भारतीय संदर्भ के ऐतिहासिक क्रम से लिखे गये विभिन्न शास्त्रीय पुस्तकों ('टेक्सट') पर आधारित भारतीय समाज की संरचना को समझकर विश्व के साथ संलग्न किया जाता है।

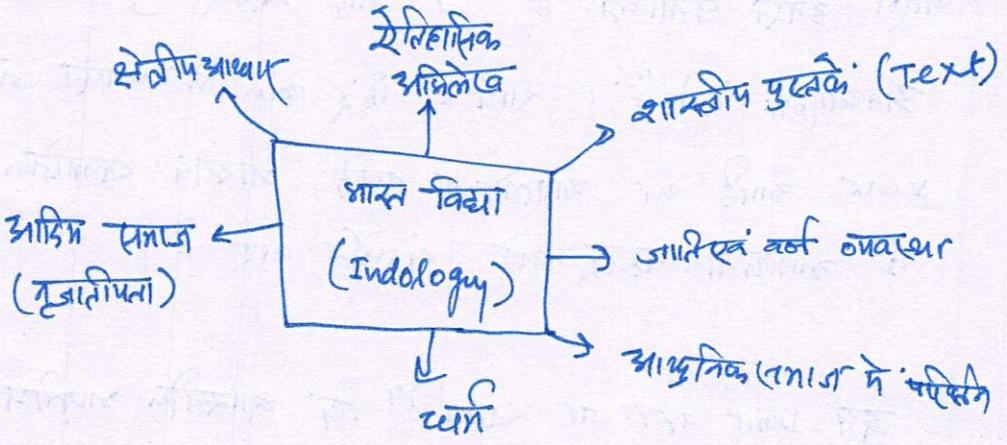

भारतीय समाज को समझने के दृष्टिकोण के रूप में शास्त्रीय भारत विद्या (इंडोलॉजी की भूमिका अग्रलिखित है—

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गोविंद सदाशिव घुर्ये :

घुर्ये भारतीय विद्या परिप्रेक्ष्य के जनक माने जाते हैं। वे लिखते हैं कि रामायण, महाभारत एवं वेदों का अध्ययन भारतीय समाज को समझने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है जहाँ जाति संरचना ब्राह्मणवाद के रूप में प्रबल रचना का द्योतक है।

मैसूर नरसिंहा श्रीनिवास : श्री निवास घुर्ये को शिष्य होने के कारण उनसे प्रभावित हैं। वे जाति संरचना हेतु संस्कृतिकरण की अवधारणा देते हैं। साथ ही हिंदू धर्म में व्याप्त जजमानी प्रथा आदि का अवलोकन करके भारतीय सामाजिक व्यवस्था के आर्थिक पहलू को संदर्भित करते हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि शास्त्रीय भारतीय विद्या परिप्रेक्ष्य भारत की राजनीतिक-आर्थिक एवं सामाजिक अभिवृत्ति को प्रदर्शित करता है।

(b) नई संशोधित जनसंख्या नीति पर प्रकाश डालिये।
Throw some light on the New revised population policy.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जनसंख्या किसी भी देश की मानव इंजीनियरिंग के रूप में एक वृहद संरचना का द्योतक होती है। जो विभिन्न सामाजिक कार्यों का निष्पादन करते हुए समाजीकरण के संचालन को सुगम बनाने में योगदान करती है।

वर्ष 2000 में निर्मित नई राष्ट्रीय जनसंख्या नीति महिला स्वास्थ्य तथा गर्भनिरोधक, बाल अवस्था, कुपोषण, एम॰एम॰आर॰ शिशु जन्म तथा मृत्यु आदि पर फोकस करते हुए संतुलित दृष्टिकोण अपनाती है।

नई राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं:—

(1) तात्कालिक उद्देश्य: स्वास्थ्य देखभाल एवं प्रजनन दर को संतुलित करना तथा बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना एवं बाल स्वास्थ्य पर ध्यान देना।

(2) मध्यम अवधि उद्देश्य:

* अंतर क्षेत्रीय परियोजना रणनीतियां अपनाना

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* कुल प्रजनन दर को संतुलित करना

(3) दीर्घकालिक उद्देश्य:

* सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास
* 2045 तक स्थिर जनसंख्या प्राप्त करना
* जनांकिकीय लाभ का बेहतर उपयोग करना
* महिला स्वास्थ्य कुपोषण आदि पर ध्यान देना।

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि नई जनसंख्या नीति के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बेहतर अवसंरचना द्वारा, विकासात्मक अनुक्रियाशीलता को अपनाने की नितांत आवश्यकता है जिससे कि समाज को अधिक लाभ प्राप्त कराया जा सके।

(c) गांधी के धर्म संबंधी विचार पर चर्चा कीजिये।

Discuss Gandhi's idea of religion.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गांधी का धर्म सम्बंधी विचार मानवतावादी दर्शन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जो विद्वानों के साथ-साथ व्यवहारिक रूप से परिलक्षित होता है

- गांधी धर्म एवं राजनीति को अलग-अलग न मानकर उन्हें धर्म एवं राजनीति के साम्प्रदायिक उग्रवाद की बजाय धार्मिक नैतिकता को बताते हैं।

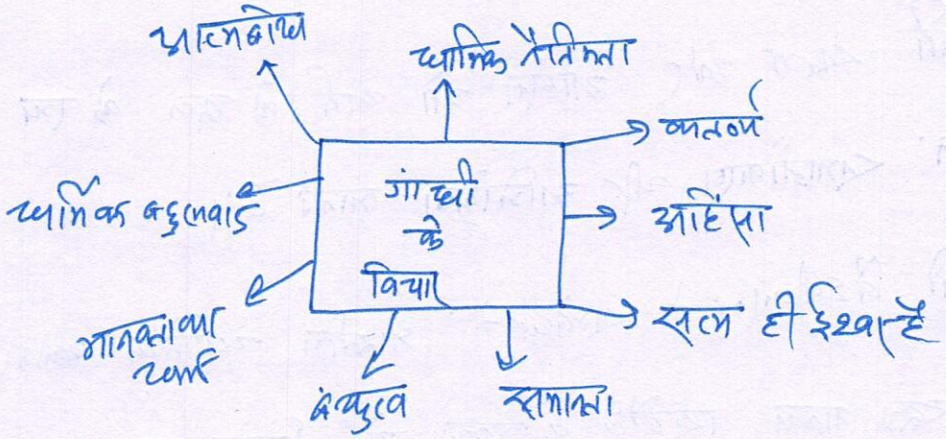

- गांधी परंपरा की पुर्नव्याख्या के माध्यम से आधुनिकता की बात करते हुए स्वराज्य की बात करते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- गांधी आध्यात्मिक प्रणाली के माध्यम से धार्मिक बहुलवाद एवं आत्मबोध की अवधारणा को प्रतिपादित करते हैं।
- गाँधी धार्मिक रूप से शारीरिक बल एवं हिंसा से दूर रहने की चेष्टा करते हैं।
- गाँधी सत्य और अहिंसा को धर्म के मूल के रूप में समाजीकरण की अभिव्यक्ति मानते हैं।
- गाँधी वैश्वीकरण के सम्बंध में भारतीय धार्मिक स्वीकरण के स्वरूप वाला वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर बल देते हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि महात्मा गांधी के धर्म सम्बंधी विचार वर्तमान भारतीय समाज पर भी केन्द्रित एवं समावेशी रूप से अंतर्दृष्टि पैदा करते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

(d) PVTG मिशन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
Write a short note on PVTG Mission.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय समाज में जनजातियों का अध्ययन औपनिवेशिक काल से ही किया जाता रहा है। अनुसूचित जनजातियों की सुभेद्यता के कारण भारत में लगभग 75 जनजातियों को PVTG के रूप में परिभाषित किया गया है। जो कि उनकी भाषाई विविधता, रहन-सहन, सामाजिक क्रिया-कलाप के संरक्षण की दृष्टि करने हेतु बेहतर अवसंरचना सुविधा मुहैय्या कराने पर जोर देता है।

PVTG मिशन के घटक :

» भारत सरकार ने 2023-24 के बजट में 24,000 करोड़ ₹ के साथ PVTG विकास मिशन की शुरुआत की है जिसके प्रमुख बिंदु है —

* PVTG के विकास हेतु नौ मंत्रालय को एक साथ लाया गया
* पी०एम० सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल-जीवन मिशन योजना आदि से लाभान्वित कराना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* स्वास्थ्य एवं आवश्यक मूल लक्षणों को बेहतर करते हुए विभिन्न प्रकार की बिमारियों से रक्षा प्रदान करना।

* शिक्षा : एकलव्य मॉडल स्कूल एवं परम्परागत शिक्षा प्रणाली में भाषाई विविधता का संरक्षण

* संस्कृति की रक्षा : परम्परा एवं देशीय ज्ञान की रक्षा करना।

* सुभेद्यता संरक्षण : उनकी सुभेद्यता को देखते हुए संरक्षण करना तथा बेहतर अवसंरचना ढांचा प्रदान करना।

आंद्रे बेतेले PVTG एवं जनजातियों को भारत की सभ्यता की कुंजी मानते हैं तथा उनके द्वारा सांस्कृतिक एवं नृजातीय संदर्भों को पुष्ट करने की वकालत करते हैं।

(e) धर्म और अर्थव्यवस्था

Religion and Economy

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वेबर के अनुसार धर्म एवं अर्थव्यवस्था ही समाजीकरण का मुख्य बिंदु रहा है जिसके कारण ही सभ्यता का विकास हुआ एवं समाजीकरण की नींव पड़ी। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'द प्रोटेस्टेंट एथिक एण्ड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज़्म' में वे ईसाई धर्म के आर्थिक क्रियाकलाप की सकारात्मकता पर बल देते हैं।

<u>धर्म एवं अर्थव्यवस्था का महत्व एवं एक दूसरे पर अन्योन्याश्रितता</u>

* हिंदू धर्म की समाजीकरण की आश्रम व्यवस्था में चार प्रकार के आश्रम की प्राप्ति के रूप में 'अर्थ' को दूसरे स्थान पर रखा गया है, जिससे धर्म में आर्थिक अनुक्रिया का महत्व पता चलता है।

* धर्म आर्थिक अभिक्रिया के रूप में ऊंच, नीच, जाति पांति - छुआछूत, अमीर - गरीब, सत्ता आदि की गतिशीलता को उजागर करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पैरेटो के अनुसार, धर्म एवं आर्थिक प्रतिफल द्वारा सत्ता की प्राप्ति की जाती रही है।

कार्ल मार्क्स आर्थिक गतिविधियों के लिए धर्म को अफीम के रूप में मानते हैं।

भारतीय ऐतिहासिक साक्ष्यों में विभिन्न मंदिर एवं चर्च भारतीय अर्थव्यवस्था का केंद्र भी हुआ करते थे जहां पर बाजारों का संचालन किया जाता था।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि धर्म एवं आर्थिक गतिविधियां एक दूसरे के साथ मिश्रित रूप में फली-फूली एवं विभिन्न सभ्यताओं जैसे - नील नदी घाटी, सिंधु नदी सभ्यता एवं मेसोपोटामियाई सभ्यता आदि का विकास धर्म एवं आर्थिक आधारों के आधार हुआ।

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) 21वीं सदी में विश्व बहुत करीब और लोग अत्यंत सुगम्य प्रतीत होते हैं। इस कार्य को आसान बनाने का श्रेय इंटरनेट को जाता है। इसका उपयोग समाजशास्त्रीय अनुसंधान प्रक्रिया में कैसे किया जा सकता है? चर्चा कीजिये और इससे संबंधित चुनौतियों पर भी प्रकाश डालिये। 20

In 21st century, the world seems very close and people very reachable. The credit of making this task easier goes to Internet. Discuss how it can be used in the sociological research process and also highlight the challenges associated. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बढ़ते प्रौद्योगिकीय विकास, यातायात के संसाधन, अवसंरचना ढांचे आदि ने 21वीं सदी में वैश्वीकरण की अवधारणा प्रस्तुत की तथा लोगों को एक साथ लाकर तारतम्यता प्रस्तुत की जिसके कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक बदलाव आया।

विश्व करीब और लोग अत्यंत सुगम्य तथा इंटरनेट का प्रयोग:

⇒ इंटरनेट के प्रयोग के माध्यम से बेहतर तरीके से संचार के साधनों का विकास हुआ।

⇒ विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे - फेसबुक, ट्विटर (X), यूट्यूब आदि के माध्यम से सूचना, मित्रता, वर्चुअल शिक्षा आदि का संक्रमण हुआ।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ सांस्कृतिक आदतों का वैश्वीकरण हुआ — विशेषतः खान-पान, पहनावा आदि के संदर्भ में मैकडोनाल्डाइज़ेशन एवं वालमार्टाइज़ेशन जैसी अवधारणा पनपीं।

* समाजशास्त्रीय अनुसंधान प्रौद्योगिकी में उपयोग

सामाजिक संबंधों के अध्ययन हेतु वैश्वीकरण प्रक्रिया पर इंटरनेट के अनुसंधान निम्न प्रकार किये जा सकते हैं—

⇒ शिक्षा एवं संस्कृति पर सामाजिक प्रभाव
⇒ जागरूकता एवं अध्ययन में वैश्वीकरण की भूमिका
⇒ लैंगिक रूप से प्रभाव
⇒ विवाह संबंधों की गतिशीलता
⇒ भाषाई विविधता एवं संचारशीलता

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ आर्थिक प्रभाव विशेषतः तकनीकी प्रबंधन से अर्थव्यवस्था का संक्रमण।

⇒ रोजगार एवं सुरक्षा अवसंरचना ढांचे पर प्रभाव

⇒ लोकतांत्रिक गतिविधियों की समाज के संदर्भ में भूमिका।

⇒ इंटरनेट से सामाजिक सामंजस्य एवं वैश्वीकरण से उत्पन्न संभावना एवं विभिन्न वर्गों तक सुसंगत पहुंच।

* संबंधित चुनौतियां

⇒ आर्थिक रूप से: वर्तमान समय में गोपनीयता की स्थिति असुरक्षित हुई है, कई बार मालवेयर या अनैतिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से साइबर हैकर आर्थिक क्षति पहुंचा देते हैं जिसके तार कहीं अन्य देशों से जुड़े होते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ आतंकवाद : आतंकवादी गतिविधियां भी इतरे देशों से ही इंटरनेट के माध्यम से की जाती हैं।

⇒ मनी लांड्रिंग : इंटरनेट पर संलग्नता के कारण मनी-लांड्रिंग, अवैध व्यापार सुगम हुआ है।

⇒ सफेदपोश अपराध : इंटरनेट ने सफेद पोश अपराधों में वृद्धि की है।

21वीं सदी में वैश्वीकरण ने जहां व्यक्तियों में निकटता लाकर सशक्तिकरण किया है वहीं अनेक उपरोक्त चुनौतियां भी देखी जा रही हैं इसे दूर करने हेतु नीति-निर्माताओं को बेहतर डाटा सुरक्षा प्रबंधन एवं जागरूकता पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

(b) मार्च 2020 में घोषित कोविड-19 महामारी का वैश्विक श्रम बाज़ारों पर गहरा प्रभाव पड़ा। टिप्पणी कीजिये और महिलाओं पर इसके असंगत प्रभाव को ध्यान में रखते हुए श्रम पर महामारी के प्रभाव का नारीवाद परिप्रेक्ष्य प्रदान कीजिये। 20

The COVID-19 pandemic, declared in March 2020, had profound repercussions on global labor markets. Comment and provide a feminist perspective on the pandemic's effects on labor, with a focus on how women workers have been disproportionately impacted. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कोविड-19 महामारी का वैश्विक संदर्भ में आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक प्रभाव पड़ा ये प्रभाव कई स्तरों में समाज के सभी देशों में देखा गया जिसमें श्रम बाजारों की स्थिति से लेकर लैंगिक मुद्दों के रूप में महिलाओं की स्थिति को प्रमुखता से प्रभावित करने हेतु परिलक्षित होती है।

कोविड-19 महामारी का वैश्विक श्रम बाजारों पर प्रभाव :

⇒ मार्च-2020 से अधिकांश देशों में लाकडाउन लगा दिया गया जिसके कारण कुछ ही औद्योगिक संस्थानों को बंद कर दिया गया।

⇒ उद्योग-धंधों के बंद होने के कारण मजदूरों की आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा और वे अपने गृह क्षेत्रों की ओर पलायन हेतु बाध्य हुए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ कुछ नवीन उद्योगों को गति मिली जैसे केमिकल्स एवं फर्टिलाइजर, मास्क एवं सेनेटरी उत्पाद आदि।

⇒ श्रमिकों की आय पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा।

⇒ रिवर्स माइग्रेशन की शुरुआत हुई।

⇒ घर से कार्य (work from Home) की अवधारणा मजबूत हुई।

⇒ महिलाओं की स्थिति में ह्रास आया।

⇒ कम क्षमता एवं अधिक मोलभाव क्षमता कमजोर हुई।

* महिलाओं की श्रम पर असंगत प्रभाव :

⇒ घरेलू हिंसा में वृद्धि हुई

⇒ व्यवसायिक अलगाव की स्थिति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ शिक्षित महिलाओं की बेरोजगारी दर में वृद्धि

⇒ STEMM क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति में सुधार आया।

⇒ वेतन, भेदभाव एवं श्रमिक के रूप में अच्छा प्रतिफल असमान रहा।

⇒ घर से काम करने पर दोहरी जिम्मेदारी के रूप में बच्चों की देखभाल एवं कार्यालयी कार्यों के बीच अंतर्द्वंद्व।

⇒ पितृत्व को अधिक प्रोत्साहन मिला।

⇒ निर्णय लेने की क्षमता में महिलाओं के अधिकारों में कमी आई।

⇒ तकनीकी प्रयोग के संदर्भ में महिलाओं को सकारात्मक सहयोग मिला।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ संयुक्त परिवार की अवधारणा को बल मिला।

⇒ कोविड-19 के कारण विवाह संबंधों में सरलता आई तथा दहेज जैसी नकारात्मक अपराधों में कमी आई।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि कोविड-19 के प्रभावों ने जहां वैश्विक अर्थ व्यवस्थाओं को प्रभावित किया वहीं, व्यक्तियों पर भी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक प्रभाव के रूप में अपनी छाप छोड़ी है।

(c) आधुनिक समाजों में प्रतिमानहीनता (एनोमी) को अस्थिरता के मुख्य कारण के रूप में देखा जाता है। प्रतिमानहीनता (एनोमी) पर दुर्खाइम के उपागम की व्याख्या करते हुए चर्चा कीजिये। 10

Anomie is seen as a main cause of instability in modern societies. Discuss while explaining Durkheim's view on Anomie. 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एमिल दुर्खीम ने एनोमी की अवधारणा को सामाजिक आस्थिरता और नैतिक नियमों की कमी के रूप में समझाया है। जब पारंपरिक मूल्य एवं सामाजिक मानदंड कमजोर हो जाते हैं तो उस समाज की अपनी स्थिति कमजोर होकर प्रभावित हो जाती है तथा व्यक्तिगत भूमिका के रूप में एनोमी की स्थिति जन्म लेती है।

प्रतिमानहीनता (एनोमी) पर दुर्खीम के उपागम :

1. आर्थिक संकट एवं सामाजिक अस्थिरता : आर्थिक संकट जब तीव्रता से आता है तो पारंपरिक मूल्यों में गिरावट आती है। इस स्थिति में व्यक्ति अपनी भूमिका को ठीक से समझ नहीं पाता है।

2. विभाजन का सिद्धांत : दुर्खीम ने आत्महत्या पर अपने एनोमी सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उन्होंने पाया कि प्रतिमान-हीनता के कारण आत्महत्या की दर बढ़ जाती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उन लोगों को काम नहीं मिलता जिससे लोगों में असंतोष पैदा होता है।

3. समाज का पुनर्निर्माण: रुग्णों की समाप्ति के बाद समाज को बेहतर अवसंरचना एवं शैक्षिक तथा सामाजिक क्रिया-कलाप करने की आवश्यकता होती है। जिससे लोग समाज में अपनी भूमिका को बेहतर तरीके से समझ सकें।

दुर्खीम का प्रतिमानहीनता का अध्ययन अत्यंत विस्तृत अध्ययन है जो यह समझने में मदद करती है कि सामाजिक संरचनाएं एवं मानदंड व्यक्ति के व्यवहार को कैसे नियंत्रित करते हैं।

3. (a) संदर्भ समूहों के संरचनात्मक तत्त्वों पर प्रकाश डालिये और उनका मूल्यांकन कीजिये। 20
Highlight and evaluate structural elements of reference groups. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) पार्सन्स और मैक्स वेबर के सामाजिकक्रिया के सिद्धांत की तुलना एवं विश्लेषण कीजिये। 20

Compare and analyse Parsons theory of social action with Max weber's theory of social Action. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) बहुसंस्कृतिवाद क्या है? क्या यह लोगों की मौलिक संस्कृति के लिये खतरा है? 10

What is multiculturalism? Is it a threat to people's fundamental culture? 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. (a) क्या आपको लगता है कि जातीय संबंधों पर आधारित क्षेत्रीय आंदोलन का विकास वितरणात्मक मुद्दों का एक अनपेक्षित परिणाम है? अपने विचार की पुष्टि कीजिये। 20

Do you think that regional movements based on ethnic ties is an unintended consequence of distributive issues for development? Justify your view. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) आधुनिकीकरण और पश्चिमीकरण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। 20

Differentiate between modernisation and westernization. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) भारत में उच्च प्रजनन दर के पश्च में सामाजिक कारणों का परीक्षण कीजिये। 10

Examine the social reasons behind high level of fertility in India. 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-ख / SECTION – B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. Answer the following in about 150 words each: **10 × 5 = 50**

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**

(a) भारत में सांप्रदायिकता के विभिन्न प्रकार पर प्रकाश डालिये।

Throw some light on shades of communalism in India.

भारत विविध धर्मों की भूमि होने के साथ ही सकीर्णता की संरक्षित अवस्था को आदिकाल से ही अपनाता रहा है परन्तु पिछले कुछ वर्षों से साम्प्रदायिकता की स्थिति पैदा हुई। साम्प्रदायिकता विभिन्न धर्मों की मानसिकता में स्वयं के धर्म को श्रेष्ठ बताने की प्रवृत्ति एवं अन्य धर्मों को हेय दृष्टि से देखने की स्थिति को प्रस्तुत करती है।

साम्प्रदायिकता के विभिन्न स्वरूप:

- धर्म के संकीर्ण अर्थ में: साम्प्रदायिकता धर्म की संकीर्ण परिभाषा बनाती है जो कि अनैतिक तत्वों के द्वारा स्वतः गढ़ ली जाती है। कतिपय रूप से देखने पर कुछ स्लोगों का प्रभाव दिखाई देता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साम्प्रदायिकता राजनीति का निम्न स्तर :

निम्न राजनैतिक लाभ के लिए अवसरवादी नेताओं द्वारा वोट बैंक की राजनीति में ध्रुवीकरण की स्थिति।

रूढ़िवादी: समाज की कुछ परंपरागत रूढ़िवादी विचारधारा से साम्प्रदायिकता को बल मिलता है

कट्टरता: बढ़ते कट्टरवाद से साम्प्रदायिक तनाव में वृद्धि

आगे की राह:

⇒ शिक्षित करना

⇒ जागरूकता पैदा करना

⇒ विभिन्न धर्मगुरुओं के साथ मिश्रित सम्मेलन

⇒ धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना

⇒ भारतीय सामासिक संस्कृति को समाहित करने पर जोर देना

धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देकर तथा आपसी समन्वय से साम्प्रदायिकता को समाप्त किया जा सकता है।

(b) कभी न समाप्त होने वाली बुराई दहेज प्रथा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on dowry as a never-ending evil.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय संदर्भ में विवाह एक महत्वपूर्ण संस्था होने के कारण अधिकांश सामाजिक संरचना का वाहक मानी जाती है। विवाह संबंधों में उपहारों का प्रचलन अत्यंत प्राचीन रूप में दिखाई देता है जो कि हिंदू धर्म के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो प्रजापत्य एवं ब्राह्म विवाह प्रमुख रूप से अपनी कन्या के जीवन निर्वाह हेतु कुछ उपहार गाय आदि के रूप में देते थे। परन्तु धीरे धीरे यह प्रथा आधुनिक समाज तक दहेज प्रथा जैसे अपराध के रूप में स्थापित हो गई।

वर्तमान समय में भारत में प्रत्येक धर्म के अंदर यह सामाजिक नकारात्मकता दृष्टिगोचर होती है।

दहेज प्रथा कभी न समाप्त होने वाली बुराई:

हलांकि भारत में दहेज निषेधक अधिनियम, 1961 का कानून बनाया गया है फिर भी यह समाप्त नहीं होती दिखाई दे रही है — कुछ अग्रलिखित कारण एवं दुष्प्रभाव हैं:—

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कारण :

⇒ पितृसत्तात्मक मानसिकता

⇒ दोनों पक्षों द्वारा सामूहिक रूप से स्वीकार्य

⇒ शिक्षा की लागत वसूल करना

⇒ स्त्री की निम्न शिक्षा एवं सामाजिक स्थिति

⇒ जागरूकता अभाव, कानूनों का कमजोर

सुझाव (समाप्ति हेतु) :—

⇒ कानूनों का बेहतर क्रियान्वयन

⇒ रोल मॉडलों को सामने लाना

⇒ राजनेताओं द्वारा जनता की अभिवृत्ति में परिवर्तन के माध्यम से परिवर्तन लाना

⇒ नैतिक शिक्षा एवं मूल्यों पर जोर देना

⇒ स्त्री शिक्षा में वृद्धि करना

⇒ जाति प्रथा आधारित विवाह रोक, एवं अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन

इस प्रकार कहा जा सकता है कि दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई को रोकने हेतु सरकार के साथ लोगों के बीच गतिशीलता एवं जागरूकता को बढ़ाना अति आवश्यक है।

(c) भारत में प्रवासन के संबंध में नीतियों पर प्रकाश डालिये।

Throw some light on policies with regard to the migration in India.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बढ़ते शहरीकरण एवं उद्योग - धंधों के कारण प्रवास बढ़ा है। रोजगार की स्थिति एवं कृषि-गत गतिविधियां कम होने के कारण भारतीय संदर्भ में प्रवासन की निम्नलिखित नीतियां बनाई गई हैं:—

⇒ आंतरिक प्रवासन

* विकास एवं रोजगार : ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु मनरेगा जैसी योजनाएं शुरु की गई
* शहरी निवास योजनाएं : शहरी निवास अवसंरचना के रूप में (AMRUT) जैसी योजनाएं आरंभ की गई है।
* स्मार्ट सिटी अवसंरचना शहर के विकास पर जोर दिया जा रहा है।
* सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने हेतु वन नेशन वन राशन कार्ड, श्रमिक प्रवासी स्वास्थ्य कार्ड आदि।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ अंतर्द्वीप प्रवासन

* प्रवासी भारतीय केंद्र के रूप में श्रमिकों के हितों की सुरक्षा एवं सहायता हेतु विदेश मंत्रालय की प्रमुख पहल है।

* प्रवासी भारतियों हेतु विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक योजनाएं जैसे जानो देश को, पर्यटन कार्यक्रम एवं प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में आयोजित किया गया है।

निष्कर्ष: कहा जा सकता है कि भारत की प्रवासन नीति विभिन्न आयामों को कवर करती है। साथ ही चुनौतियों से निपटने हेतु प्रयास भी करती है।

(d) शिक्षा का अव्यक्त प्रकार्य

Latent function of education.

शिक्षा का अव्यक्त प्रकार्य ऐसी अवधारणा है जिसे समाजशास्त्र में संरचनात्मक कार्यात्मक के रूप में समझा जा सकता है। अध्ययन कार्य वे प्रकार्य होते हैं जो किसी सामाजिक संस्था या प्रक्रिया को प्रभावित करके समाज पर अपना महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।

शिक्षा के अव्यक्त प्रकार्य:

* सामाजिक एकीकरण: यह विभिन्न लोगों को शिक्षा के माध्यम से एकीकरण में सहयोग एवं अडकिया की अभिवृद्धि है।

* सामाजिक नियंत्रण: शिक्षा का अव्यक्त प्रकार्य कार्यक्रम का निर्माण करता है जो कि सामाजिक नियंत्रण के रूप में कार्य करते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* कार्यबल का निर्माण: विद्यालय और कालेज न केवल शिक्षा प्रदान करते हैं अपितु एक बेहतर नागरिक बनाने के साथ ही कौशल, ज्ञान को बढ़ाते हैं।

* सामाजिक स्तरीकरण: अच्छे स्कूलों एवं कालेजों में पढ़ने वाले सामान्यतः अच्छे रोजगार पाते हैं जिससे सामाजिक स्तरीकरण होता है।

* सामाजिक संबंध: एक नेटवर्क के माध्यम से सामाजिक जुड़ाव होता है जो व्यक्तिगत रूप से व्यवसायिक लाभों का कारण बन सकता है।

शिक्षा का अव्यक्त कार्य समाज में उन अप्रत्यक्ष प्रभावों को समझने में मदद करता है जो शिक्षा प्रणाली द्वारा समाज पर डाले जाते हैं।

(e) गैसलाइटिंग का समाजशास्त्रीय उपागम।

Sociological perspective of gaslighting.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गैसलाइटिंग एक मनोवैज्ञानिक हेर-फेर की तकनीक है जिसमें एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को अपनी धारणाओं, पूर्वाग्रहों या यादों के क्रम में संदेह करने के लिए प्रेरित करती है, जिससे वह अपनी वास्तविक एवं मानसिक स्थिति पर शक करने लगता है।

गैसलाइटिंग का समाजशास्त्रीय उपागम:

- सत्ता और नियंत्रण: सत्ता में बैठे लोग कमजोर समूहों यथा- अल्पसंख्यक, महिलाओं, जनजातियों, हाशिये के समूहों को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं।

- लिंग और पितृसत्ता: अक्सर महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल किया जाता है। ताकि उनकी सामाजिक स्थिति को कमजोर करके पितृसत्ता के वर्चस्व को बनाए रखा जा सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- **सांस्कृतिक हेर-फेर :**

मीडिया, राजनीति एवं संस्थागत ढांचे के माध्यम से हेर-फेर करके सत्तावादी दल अपनी पसंद के लोगों का नेतृत्व बैठा देता है।

भारत के संदर्भ में वर्तमान समय में सत्ताधारी दल द्वारा अधिक रूप विपक्ष आरोप लगाता है कि विभिन्न पदों पर गैसलाइटिंग प्रभाव पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

- **आदम परिभाषा और पहचान :**

आदम परिभाषा और पहचान कमजोर की जाती है विशेष रूप से भारत में अल्पसंख्यकों तथा जनजाति के संदर्भ में देखा जा सकता है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि • गैसलाइटिंग प्रभाव समाज में नकारात्मक अभिवृत्ति उजागर करती है।

6. (a) सत्ता क्या है? सत्ता के विभिन्न समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य प्रदान कीजिये। 20
What is power? Give various sociological dimensions of power. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सत्ता समाजशास्त्र में एक केंद्रीय अवधारणा है, जो व्यक्तियों, समूहों एवं संस्थाओं के बीच संबंधों को समझने में मदद करती है। सत्ता को आमतौर पर उस क्षमता के रूप में परिभाषित किया जाता है जो अन्य व्यक्तियों या समूहों के व्यवहार, क्रियाएं, और निर्णयों को प्रभावित एवं नियंत्रित करती है।

सत्ता की परिभाषा एवं प्रकार:

* मैक्स वेबर: सत्ता न केवल राजनीतिक या सामाजिक अर्थों में बल्कि आर्थिक एवं जीवन के प्रत्येक पहलू के रूप में प्रभाव डालती है।
* वैध सत्ता: वैध सत्ता के रूप में कानून या धार्मिक राजाज्ञा प्राप्त होती है।
* बलपूर्वक सत्ता: जब जबरदस्ती या धमकी के माध्यम से अपनी बात मनवाने की कोशिश की जाए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* प्रभावकारी सत्ता : किसी व्यक्ति या समूह की व्यक्तिगत गुणों, ज्ञान पर करिश्माई रूप से सामाजिक आकर्षण।

⇒ सत्ता के समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य :

1. मैक्स वेबर का परिप्रेक्ष्य.

* कानूनी सत्ता : = नियमों एवं कानूनों पर आधारित
= कानूनी संरचना जैसा
उदाहरण : लोकतांत्रिक देश, नौकरशाही आदि

* परम्परागत सत्ता : परम्परा, रीति रिवाज, सांस्कृतिक मान्यता
उदाहरण : राजशाही, धार्मिक सत्ता आदि

* करिश्माई सत्ता : असाधारण करिश्माई नेतृत्व एवं व्यक्तिगत गुण

उदाहरण : महात्मा गांधी, नेल्सन मण्डेला, अब्राहम लिंकन आदि।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. मिशेल फूको :

⇒ सत्ता सभी रूपों में समाज को प्रभावित करती है।

⇒ ज्ञान एवं सांस्कृतिक सत्ता आपस में अन्योन्याश्रित होते हैं।

⇒ जैव सत्ता के रूप में सरकारें द्वारा जनता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डाला जाता है।

3. एंटोनियो ग्राम्सकी :

• हेजेमनी : सत्ता केवल राजनीति एवं आर्थिक क्रियाकलापों से नहीं चलती बल्कि विचारधारा एवं संस्कृति के माध्यम से, प्रत्यक्ष पर परोक्ष प्रभाव डालता है।

4. पियरे बोर्दियू : सत्ता सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक पूंजी की एक मिश्रित अभिलक्षण होती है।

उदाहरण: उच्च शिक्षा एवं सामाजिक संबंधों के माध्यम से एक पैतृगत अधिकार प्रदान करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. पेरेटो : पेरेटो सत्ता प्राप्ति हेतु संघर्ष के रूप में दो वर्गों शेर - लोमड़ी की बात करते हैं जब कि इनमें सत्ता प्राप्ति हेतु संघर्ष देखा जाता है।

6. राल्फ डेहरेनडार्फ :

सत्ता को संघर्ष के रूप में देखते हैं और कि समाज के कुछ समूहों में निरंतर पॉवर होता रहता है।

समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में सत्ता को एक बहुआयामी एवं जटिल अवधारणा के रूप में समझाया गया है। जो व्यक्ति एवं समूह को आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक रूप से प्रभावित करती है।

(b) राष्ट्र और राष्ट्रवाद की अवधारणा का मूल्यांकन कीजिये। 20

Evaluate the concept of Nation and Nationalism. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद की अवधारणा में समाजों के संगठन, पहचान और सामूहिक चेतना को समझने तथा इसमें सामाजिक ऐतिहासिक प्रक्रियाओं की अभिवृत्ति शामिल होती है।

1. राष्ट्र की अवधारणा

* राष्ट्र क्या है?

राष्ट्र एक ऐसा समूह है जो राष्ट्रीय पहचान, संस्कृति, भाषा इतिहास एवं भूगोल के आधार पर एक सामाजिक ढांचा बनाता है।

* राष्ट्र की विशेषताएं :

⇒ सांस्कृतिक समानता : भाषा, धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाज और परम्परा को शामिल करती है।

⇒ आत्मनिर्णय आवश्यकता: राष्ट्र अपने सामाजिक एवं राजनीतिक मामलों में संयुक्त होता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. राष्ट्रवाद की अवधारणा :

* राष्ट्रवाद क्या है ?

⇒ नागरिक राष्ट्रवाद : साझा नागरिकता, कानून एवं राजनैतिक अधिकारों के उपभोग की छूट प्रदान करता है।

⇒ जातीय राष्ट्रवाद : जातिगत, भाषागत एवं सांस्कृतिक प्रतिमानों को एक विस्तृत शैली को संदर्भित करता है।

* राष्ट्रवाद के प्रभाव :

⇒ विरोध एवं संघर्ष का जन्म होता है —

⇒ इस समाज में भी विद्रोह को जन्म देता है।

⇒ दबाव उत्पन्न करता है।

⇒ स्वतंत्रता पर अंकुश लगाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य :

भारत के संदर्भ में ए० आर० देसाई राष्ट्रवाद को वर्चित उच्च समूहों द्वारा फैलाया जाने वाला एक षिगुफ़ा मानते हैं।

- वे विभिन्न आंदोलनों को आर्थिक रूप से राष्ट्रवाद की ओर लेकर राजनीतिक आश्रय पा बड़े लोगों द्वारा किया गया कार्य मानते हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद की अवधारणा सिक्के के दो ~~पहलू~~ पहलू सकारात्मक एवं नकारात्मक रूप को समाहित करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

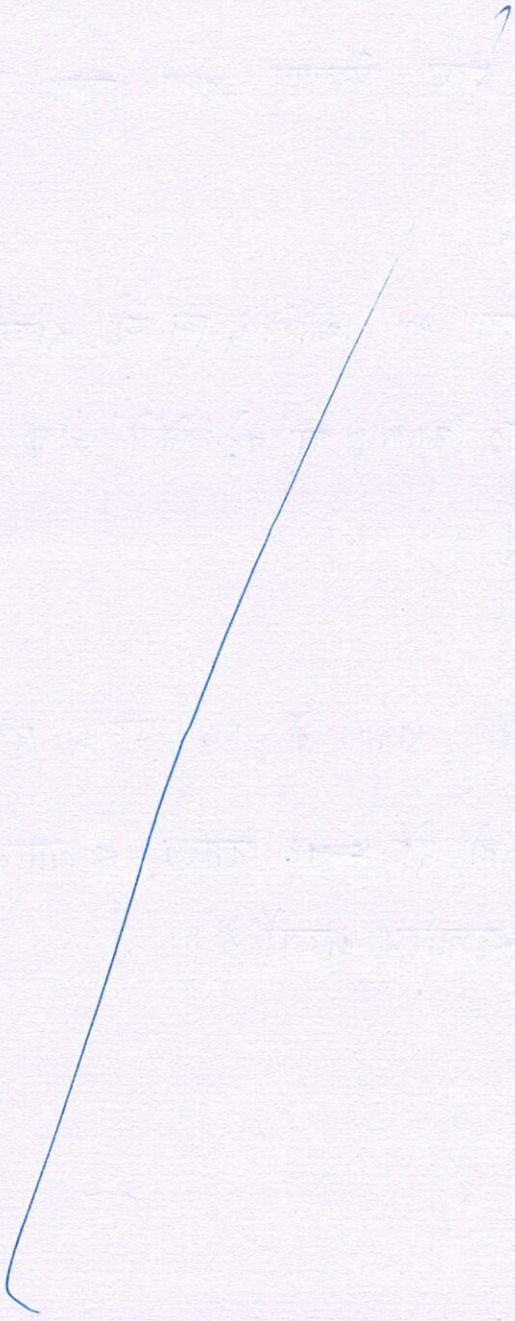

(c) औपनिवेशिक नीतियों ने जनजातियों को पहले से कहीं अधिक पृथक कर दिया है। टिप्पणी कीजिये। 10

Colonial policies segregated tribals more than ever. Comment. 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. (a) भारतीय समाज में कार्य के लैंगिक विभाजन पर टिप्पणी कीजिये। 20

Comment upon sexual division of work in Indian society. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) धर्म पारंपरिक समाजों को और विज्ञान आधुनिक समाजों को प्रभावित करता है। टिप्पणी कीजिये। 20

Religion dominates traditional societies and science dominates modern societies. Comment. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का 'स्टीयरिंग व्हील' है। चर्चा कीजिये। 10

Education is a steering wheel of Social Change. Discuss. 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. (a) भारत में पर्यावरणीय-नारीवादी आंदोलन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 20

Write a short note on eco-feminism movement in India. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) भारत में विकासात्मक योजना और सामाजिक परिवर्तन पर इसके प्रभाव का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 20
Critically analyze the developmental planning and its impact on social change in India. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) हाल ही में, तालिबान ने अफगानिस्तान की राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को विक्षोभित करते हुए उस पर बलपूर्वक अधिकार कर लिया है। ऐसी घटनाओं का बड़ा कारण धार्मिक कट्टरवाद बताया जाता है। टिप्पणी कीजिये। 10

Recently, Taliban has captured Afghanistan shaking its political and social stability. Religious fundamentalism is said to be a major cause of such incidents. Comment. 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

drishti | दृष्टि The Vision

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

drishti | दृष्टि The Vision

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)